भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2074

जिसका उत्तर शुक्रवार, 12 दिसंबर, 2025/21 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाना है।

उर्वरक की कमी

2074. श्री राकेश राठौर:

क्या **रसायन और उर्वरक मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को यह जानकारी है कि उत्तर प्रदेश के सीतापुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के किसान रबी फसल की बुवाई के दौरान यूरिया, डीएपी और अन्य उर्वरकों की भारी कमी का सामना कर रहे हैं;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या उत्तर प्रदेश राज्य सरकार ने इस संबंध में केंद्र सरकार को कोई रिपोर्ट प्रस्तुत की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) सरकार द्वारा ऐसे जिलों में उर्वरक वितरण प्रणाली को सुव्यवस्थित करने और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कौन से तात्कालिक और दीर्घकालिक कदम उठाए गए हैं; और
(ड.) क्या सरकार का उर्वरक की कमी के कारण किसानों को उच्च बाजार दरों पर उर्वरक खरीदने से राहत प्रदान करने के लिए कोई विशेष सहायता योजना लागू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ड.): उत्तर प्रदेश राज्य सहित देश में उर्वरकों की समय पर और पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक मौसम में निम्नलिखित कदम उठाए जाते हैं:

(i) प्रत्येक फसल मौसम की शुरुआत से पहले, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू), सभी राज्य सरकारों के परामर्श से, उर्वरकों की राज्य-वार और माह-वार आवश्यकता का आकलन करता है।

(ii) कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा आकलित आवश्यकता के आधार पर, उर्वरक विभाग मासिक आपूर्ति योजना जारी करके राज्यों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक आवंटित करता है और उपलब्धता की लगातार निगरानी करता है।

(iii) देश भर में सभी प्रमुख सब्सिडी प्राप्त उर्वरकों के संचलन की निगरानी एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) नामक एक ऑनलाइन वेब-आधारित निगरानी प्रणाली द्वारा की जाती है।

(iv) राज्य सरकारों को नियमित रूप से सलाह दी जाती है कि वे समय पर मांग-पत्र भेजकर आपूर्तियों को सुचारू बनाने के लिए निर्माताओं और आयातकों के साथ समन्वय करें।

(v) रेल मंत्रालय के साथ पर्याप्त रेक देने, उर्वरकों को प्राथमिकता देने और राज्यों के लिए रेक की समय पर निकासी के लिए नियमित समन्वय बैठकें आयोजित की जाती हैं।

तथापि, जिला स्तर पर राज्य के भीतर उर्वरकों का आकलन और वितरण संबंधित राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।

तदनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, चल रहे रबी मौसम 2025-26 के दौरान सीतापुर जिले में उर्वरकों की उपलब्धता पर्याप्त रही है। दिनांक 01.04.2025 से दिनांक 09.12.2025 तक जिले में यूरिया, डीएपी और एनपीकेएस की उपलब्धता, बिक्री और अंतिम स्टॉक के बारे में जानकारी इस प्रकार है:

(मात्रा एमटी में)

क्र.सं.	**उर्वरक**	**उपलब्धता**	**बिक्री**	**दिनांक 09.12.2025 की स्थिति के अनुसार अंतिम स्टॉक**
1	यूरिया	1,53,511	1,42,776	10,735
2	डीएपी	44,705	36,505	8,200
3	एनपीकेएस	37,633	27,886	9,747

****